महत्वपूर्ण एवं खास

लोकसभा, विधानसभा चुनाव में बीजेपी के साथ गठबंधन नहीं

मुंबई, (आरएनएस)। बीजेपी के नेतृत्व वाले एनडीए गठबंधन को तगड़ा

झटका लगा है। गठबंधन की सबसे पुरानी सहयोगी शिवसेना ने मंगलवार को 2019 में लोकसभा और विधानसभा चुनाव अलग लड़ने का ऐलान कर दिया है। बीजेपी और शिवसेना के बीच दो दशक से ज्यादा की दोस्ती है। शिवसेना की इस घोषणा के बाद माना जा रहा है कि 2019 में दोनों दलों का रास्ता पूरी तरह से अलग हो जाएगा। शिवसेना की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में इसका फैसला किया गया। सेना और बीजेपी में राज्य और केंद्र स्तर संबंधों में लंबे समय से तनाव चल रहा था। शिवसेना चीफउद्धव ठाकरे ने कुछ दिन पहले ही धमकी दी थी कि अगर जरूरत हुई तो उनकी पार्टी एनडीए से अलग भी हो जाएगी। पार्टी नेता संजय राउत ने कहा कि उनकी पार्टी 2019 का लोकसभा और विधानसभा चुनाव अलग लड़ेगी। शिवसेना के इस फैसले को उद्धव के बयान से ही जोड़कर देखा जा रहा है। गौरतलब है कि 2014 में पिछला विधानसभा चुनाव भी सीटों के बंटवारे पर पेच फंसने के कारण बीजेपी और शिवसेना ने अलग ही लड़ा था। इस चुनाव में बीजेपी सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी थी और शिवसेना ने चुनाव बाद बीजेपी से गठबंधन कर सरकार बनाई थी। हाल के दिनों में महाराष्ट्र सरकार में शिवसेना और बीजेपी के बीच तकरार चल रही थी। दोनों पार्टी के नेता एक-दूसरे पर बयानबाजी कर रहे थे।

हाईकोर्ट करेगी मधु कोड़ा की अपील पर सुनवाई

नयी दिल्ली,(आरएनएस)। दिल्ली उच्च न्यायालय ने झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री मधु कोड़ा की अपील पर सुनवाई के लिए 16 अप्रैल की तारीख तय की है। कोड़ा एवं कुछ अन्य लोगों को एक कोयला घोटाला मामले में दोषी पाया गया था तथा उन्हें तीन साल की जेल की सजा सुनायी गयी थी। उच्च न्यायालय ने अपील की सुनवाई लंबित रहने तक उनकी जमानत की अवधि भी बढ़ा दी। न्यायमूर्ति अनु मल्होत्रा ने कोड़ा के अलावा उनके करीबी सहयोगी विजय जोशी की जमानत अवधि भी बढ़ा दी। न्यायालय ने झारखंड के पूर्व मुख्य सचिव ए.के.बसु की तीन साल की सजा भी मामले के अंतिम निर्णय तक निलंबित कर दी तथा एक लाख के निजी बांड पर उन्हें जमानत दे दी। केंद्रीय जांच ब्यूरो की तरफ

से पेश वरिष्ठ वकील आर.एस.चीमा ने न्यायालय को कहा कि एजेंसी इस समय तीनों दोषियों की अपील पर कोई प्रतिक्रिया दायर नहीं करना चाहती है। न्यायालय ने इसे स्वीकार करते हुए अपील की सुनवाई के लिए 16 अप्रैल की तारीख तय कर दी तथा दोनों पक्षों को लिखित में अपना पक्ष रखने का निर्देश दिया। न्यायालय ने दोषियों को अगली सुनवाई में पेश होने का भी निर्देश दिया।

दो साल में मारे गए 363 आतंकवादी

जम्मू (आरएनएस)। जम्मू-कश्मीर में बीते दो सालों में कानून एवं व्यवस्था, आतंक संबंधी घटनाओं, सीमा पार से गोलाबारी की

घटनाओं में 363 आतंकवादियों समेत कुल 721 लोगों की मौत हुई है। यह जानकारी जम्मू-कश्मीर की मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती द्वारा विधानसभा में दिए एक सवाल के लिखित जवाब में सामने आई है। नैशनल कॉन्फ्रेंस के विधायक अली मोहम्मद सागर के सवाल के लिखित जवाब में मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती ने विधानसभा को सूचित किया कि ऐसी घटनाओं में 162 पुलिस एवं सुरक्षाकर्मियों के साथ 196 आम लोगों की मौत हुई है। महबूबा ने बताया कि कानून एवं व्यवस्था और आतंकवाद संबंधी घटनाओं में 172 आम लोग मारे गए हैं जबकि सीमा पर गोलाबारी में 24 असैन्य लोगों की जान गई है। मुख्यमंत्री ने बताया कि पिछले साल 213 और 2016 में 150 आतंकवादियों को मार गिराया गया। साथ ही 176 संदिग्ध आतंकवादियों को गिरफ्तार भी किया गया। उन्होंने बताया कि 2016 में 79 संदिग्ध आतंकवादियों को गिरफ्तार किया गया था। मुख्यमंत्री के अनुसार वर्ष 2016 में कानून एवं व्यवस्था और आतंकवाद संबंधी घटनाओं में 104 आल लोगों की मौत हुई थी जबकि 2017 में ऐसी घटनाओं में 68 आम लोगों ने जान गंवाई थी। उन्होंने बताया कि 2016 में सीमापार से होने वाली गोलाबारी में 13 लोगों की मौत हुइ थी जबकि 2017 में इसमें 11 लोग मारे गए। अपने जवाब में महबूबा ने बताया कि 23 मृतकों के परिजन को 23 लाख रुपये की राशि दी गई, 110 घायलों को 6.20 लाख रुपये दिए गए और इस दौरान सीमापार से होने वाली गोलाबारी में क्षतिग्रस्त हुए 165 ढांचों के लिए 43.66 लाख रुपये दिए गए।

विराट के सामने टीम चयन है सबसे बड़ी मुश्किल, हो सकते हैं कई बदलाव

जोहानिसबर्ग (आरएनएस)। हार से बेजार भारतीय टीम दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ बुधवार से शुरू हो रहे तीसरे टेस्ट में उतरेगी तो चयन की गलतियों से उबरकर उसका लक्ष्य सीरीज में सफाये की शर्मिंदगी से बचना होगा। दूसरे टेस्ट में हार के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान कप्तान विराट कोहली टीम चयन पर किए गए सवालों पर भड़क गए थे, लेकिन देखा जाए तो उनके सामने सबसे बड़ा चैलेंज टीम चयन ही है। तीसरे टेस्ट के लिए प्लेइंग इलेवन में कई बदलाव संभव हैं। भुवनेश्वर की वापसी की उम्मीद की जा रही है। ऐसे में पहले दोनों टेस्ट में अपने चयन से चौंकाने वाले जसप्रीत बुमराह बाहर रहेंगे। भारतीय कप्तान एक और बदलाव कर सकते हैं। तीन दिन के ब्रेक के बाद रविवार को जब टीम यहां जुटी तब से अजिंक्य रहाणे लगातार नेट पर अभ्यास कर रहे हैं। पिछले 2 दिन में उन्होंने चार लंबे अभ्यास सत्रों में भाग लिया और उनका खेलना तय लग रहा है चूंकि रोहित शर्मा चार पारियों में 78 रन ही बना

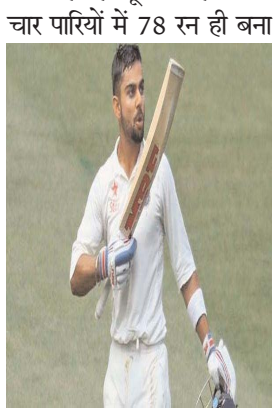

सके हैं। रहाणे की वापसी के बावजूद यह तय नहीं है कि रोहित बाहर होंगे। 6 बल्लेबाजों के साथ उतर सकते हैं विराट कोहली ने लगातार 34 टेस्ट में कभी भी एक एकादश नहीं उतारी है। इस मैच में भी बदलाव देखने को मिलेंगे। अश्विन ने नेट पर बल्लेबाजी नहीं की जबकि रविंद्र जडेजा ने लंबा अभ्यास किया। भारत अगर एक स्पिनर को लेकर उतारता है तो जडेजा को मौका मिल सकता है। बिना स्पिनर के 6 बल्लेबाजों को लेकर उतरने पर कोहली हरफनमौला तेज गेंदबाज के रूप में हार्दिक पंड्या को उतार सकते हैं। पार्थिव पटेल का खराब फार्म के बावजूद खेलना तय माना जा रहा है।हारने पर बनेगा शर्मनाक रेकॉर्ड कोहली के लिए कुल मिलाकर हालात एकदम बदल गए हैं। 6 महीने पहले उन्होंने टीम को श्री लंका पर 3-0 से जीत दिलाकर इतिहास रचा था। अब वह 3-0 से सीरीज हारने की कगार पर खड़े हैं। अभी तक दक्षिण अफ्रीकी सरजमीं पर कोई भारतीय टीम 3-0 से सीरीज नहीं हारी है। टीम अगर 3-0 से हारती है तो भी नंबर एक टेस्ट रैंकिंग नहीं गंवाएगी। केप टाउन में पहला टेस्ट 72 रन और सेंचुरियन में दूसरा टेस्ट 135 रन से जीतने के बाद मेजबान टीम सीरीज पहले ही अपने नाम कर चुकी है। वॉडरर्स का रेकॉर्ड भारत के पक्ष में भारत 1992 से अब तक 6 बार दक्षिण अफ्रीका का दौरा कर चुका है और 1996-97 में सचिन तेंडुलकर की कप्तानी में 2-0 से हारा था। 2006 के बाद से पिछले 3 दौरों पर एक टेस्ट जीतने या ड्रॉ कराने में कामयाब रहा है। वांडरर्स पर भारत का रेकॉर्ड अच्छा रहा है। भारत ने इस मैदान पर 4 टेस्ट (नवंबर 1992 , जनवरी 1997, दिसंबर 2006 और दिसंबर 2013) खेले हैं और एक भी गंवाया नहीं है। भारत ने यहां 2006 में राहुल द्रविड़ की कप्तानी में टेस्ट जीता था, जिसमें श्रीसंत ने 99 रन देकर 8 विकेट लिए थे। अब यह है साउथ अफ्रीका का टारगेट दूसरी ओर दक्षिण अफ्रीका किसी तरह की दुविधा में नहीं है। सलामी बल्लेबाज एडेन मार्कराम दूसरे टेस्ट में जांघ में लगी चोट के बाद लौटेंगे। वैसे दक्षिण अफ्रीका अपनी बेंच स्ट्रेंथ को भी आजमा सकता है चूंकि उसे ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट सीरीज खेलनी है। वैसे सेंचुरियन टेस्ट के बाद दक्षिण अफ्रीका के कप्तान फाफ डु प्लेसिस ने संकेत दिए थे कि उनकी नजरें नंबर वन रैंकिंग पर है। इसके लिए उन्हें भारत को 3-0 से हराने के अलावा ऑस्ट्रेलिया को भी 2-0 से मात देनी होगी।

धोनी को कॉपी करना पाक कप्तान सरफराज को पड़ा महंगा, फैंस ने लिए मजे

नई दिल्ली (आरएनएस)। पाकिस्तानी खिलाड़ियों को ट्रोल करने में इंडियन क्रिकेट फैन पीछे नहीं रहते। इसका ताजा उदाहरण देखने को मिला है। न्यू जीलैंड के खिलाफ 3 मैचों की सीरीज के पहले टी-20 के दौरान पाकिस्तानी टीम के कप्तान सरफराज अहमद ने स्टंप आउट से बचने की पूरी कोशिश की, लेकिन कामयाब नहीं हो सके। इसके बाद सोशल मीडिया पर उनका जमकर मजाक बनाया गया। फैंस ने तो यहां तक कह दिया कि आप बच्चे हो... महान धोनी की तरह खेलने की कोशश मत करो। जानकर हैरानी होगी कि इसकी वजह स्टंप आउट नहीं है, बल्कि उनकी पूर्व भारतीय कप्तान महेंद्र सिंह धोनी की तरह आउट होने से बचने की कोशिश रही। दरअसल, सरफराज जिस तरह से बचने की कोशिश कर रहे थे, ठीक उसी अंदाज में धोनी ने छलांग लगाकर पिछले साल भारत दौरे पर आई न्यू जीलैंड के खिलाफ खुद को आउट होने से बचा लिया था।

लेकिन, यहां पाकिस्तानी कप्तान आउट हो गए। आउट से बचने पर जहां धोनी को बधाइयां मिली थीं, वहीं असफल होने पर सरफराज को ताना मिलने लगा। वह सैंटनर की बॉल पर विकेट के पीछे ग्लेन फिलिप के हाथों स्टंप आउट हुए। बता दें कि धोनी की तरह सरफराज भी विकेटकीपर हैं। उल्लेखनीय है कि न्यू जीलैंड दौरे पर पाकिस्तानी टीम को सिर्फ एक प्रैक्टिस मैच में जीत मिली। उसके बाद से वह लगातार हार रही है। 5 मैचों की वनडे सीरीज में क्लीन स्पीप के बाद न्यू जीलैंड ने पहला टी-20 मैच भी जीत लिया है।

4 देशों का हॉकी टूर्नमेंटः दूसरे चरण में न्यू जीलैंड से भिड़ेगा भारत

हेमिल्टन(आरएनएस)। भारतीय टीम 4 देशों के हॉकी

टूर्नमेंट के दूसरे चरण का आगाज मेजबान टीम न्यू जीलैंड के खिलाफ करेगी। दोनों टीमों के बीच का यह मैच गालाघेर हॉकी स्टेडियम में बुधवार को खेला जाएगा। इस टूर्नमेंट के पहले चरण में भारतीय टीम ने पहले मैच में जापान को 6-0 से हराकर शानदार शुरुआत की थी। इसके बाद उसे बेल्जियम के खिलाफ दूसरे मैच में 0-2 से हार का सामना करना पड़ा। टूर्नमेंट के अपने तीसरे मैच में भारत ने न्यू जीलैंड को 3-1 से हराया था, लेकिन बेल्जियम के खिलाफ पहले चरण के फाइनल मैच में उसे 2-1 से हार का सामना करना पड़ा। भारतीय टीम के मुख्य कोच शुअर्ड मरेन ने कहा, एक टीम के तौर पर हमने मैच दर मैच विकास किया। टीम में शामिल 4 युवा खिलाड़ियों ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पदार्पण के साथ गोल भी दागे। इस प्रदर्शन के दम पर आखिरी मैच में हम बेल्जियम जैसी ओलिंपिक पदक विजेता टीम को हराने के काफी करीब थे। इससे टीम के आत्मविश्वास में भी बढ़ावा हुआ। बेल्जियम टीम के बारे में मरेन ने कहा, आपको इस बात को समझना चाहिए कि बेल्जियम अपनी पूरी टीम के साथ यहां आई है। वह विश्व की बेहतरीन टीमों में से एक हैं। युवाओं ने वर्ल्ड नंबर-3 टीम के खिलाफ अच्छा प्रदर्शन किया। इस प्रकार के चुनौतीपूर्ण मैचों के साथ ही टीम को और मजबूत होने में मदद मिलेगी।

ऑस्ट्रेलियन ओपन में बड़ा उलटफेर, टूर्नामेंट से बाहर हुए नोवाक जोकोविच

मेलबर्न (आरएनएस)। ऑस्ट्रेलियन ओपन टेनिस टूर्नामेंट में सोमवार को मैच का सबसे बड़ा उलटफेर देखने को मिला। आपको बता दें कि छह बार के चैंपियन रहे नोवाक जोकोविच टूर्नामेंट से बाहर हो गए। दक्षिण कोरियाई खिलाड़ी चुंग हेयोन के हाथों उन्हें करारी शिखस्त मिली है। दरअसल, जोकोविच ने छह महीने बाद वापसी की थी और मैच के दौरान उन्हें काफी दर्द में भी देखा गया। दक्षिण कोरियाई खिलाड़ी चुंग ने 7-6, 7-5, 7-6 से जोकोविच को हराया। खेल भावना के तहत जोकोविच ने हारने के बावजूद चुंग को बधाई दी और उनकी पारी को बेहतरीन

बताया। जोकोविच ने अपने प्रतिद्वंदी खिलाड़ी के बारे में कहा कि, वह आज कोर्ट पर बेहतर खिलाड़ी था और जीत का हकदार भी। उन्होंने कहा कि, पहले सेट के अंत में चोट उन्हें परेशान करने लगी थी। फिलहाल जोकोविच ऑस्ट्रेलियन ओपन से बाहर हो गए है।

कुछ हफ्तों में ही 12000 का आंकड़ा छू सकता है निफ्टी

नई दिल्ली (आरएनएस)। नैशनल स्टॉक एक्सचेंज के सूचकांक निफ्टी को 10,000 से 11,000 का आंकड़ा छूने में महज छह महीने का वक्त लगा। 13 जनवरी 2018 को 11,000 का आंकड़ा पार करने से पहले जुलाई 2017 में यह 10,000 के स्तर पर आया था। बाजार के विश्लेषकों का कहना है कि अगर निफ्टी कुछ हफ्तों में ही 1,000 अंक बढ़कर 12,000 के नए शिखर को छू ले तो हैरानी की बात नहीं होगी। जहां शेयर ही है शहंशाह भारत एक ऐसी वैश्विक प्रदर्शनी में हिस्सा ले रहा है जहां शेयरों को ही शहंशाह माना जाता है। बोफा एमएल के चीफ इन्वेस्टमेंट स्ट्रैटिजिस्ट माइकल हर्टनेट ने कहा कि निवेशक लगातार इक्विटीज में पैसे डाल रहे हैं। ताजा फंड मैनेजर सर्वे में उन्होंने कहा, हमें उम्मीद है कि पहली तिमाही के आखिर तक बाजार सबसे बड़ा लाभ देगा और फिर उतार-चढ़ाव का दौर शुरू हो जाएगा। बाजार की गतिविधियों पर नजर रखनेवाले कहते हैं कि घरेलू बाजार में दुनियाभर से पैसे आ रहे हैं जिसमें अभी कमी आने की आशंका नहीं दिख रही है। घरेलू कमाई में भी रिकवरी हो रही है, हालांकि इसने वैल्युएशन्स से कदमताल मिलाने में बहुत वक्त ले लिया। एक्सपर्ट्स को लार्जकैप शेयरों से काफी उम्मीद है। उन्हें लगता है कि निवेशकों को मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों के चयन में अतिरिक्त सतर्कता बरतने की जरूरत है क्योंकि बाजार में उथल-पुथल मचने पर इन शेयरों में बड़ी गिरावट आएगी। लार्जकैप्स शेयरों पर चलें दांव फॉरन पोर्टफोलियो इन्वेस्टर्स (एफपीआईएस) ने जनवरी में 6,856 करोड़ रुपये मूल्य के भारतीय शेयर्स खरीदे। इक्विनॉमिक्स रिसर्च ऐंड अडवाइजरी के फाउंडर और एमडी जी चोक्कलिंगम ने कहा, हम अपने पूरे करियर में हमेशा मिडकैप शेयरों पर ही दांव चलते रहे, लेकिन पहली बार मैं अपने ग्राहकों का 55 प्रतिशत से ज्यादा पैसा लार्जकैप्स शेयरों में लगा रहा हूं। अगर हम पिछले कुछ सत्रों पर नजर डालें तो एफपीआईएस लार्जकैप्स शेयर ही खरीद रहे हैं। मुझे लगता है कि निफ्टी अगले कुछ हफ्तों में ही 12,000 का आंकड़ा छूने जा रहा है। उन्होंने कहा कि लार्जकैप्स इस मौके पर बेहतर कर सकता है, लेकिन जिस तरह पिछले तीन सालों में 15 से 17 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई है, उतना अच्छा शायद नहीं हो पाएगा।

मारुति सुजुकी स्विफ्टः लॉन्च से पहले ही 2 महीने तक पहुंचा वेटिंग पीरियड

नई दिल्ली (आरएनएस)। मारुति सुजुकी इंडिया ने नई स्विफ्ट की बुकिंग्स 11 जनवरी को शुरू कर दी थीं। महज 12 दिनों में ही इसका वेटिंग पीरियड 6 से 8 सप्ताह यानी लगभग दो महीने से ज्यादा पहुंच चुका है। इस हैचबैक की कीमतों का खुलासा अभी किया जाना बाकी है। कीमतें ऑटो एक्सपो में 7 फरवरी को लॉन्चिंग के दौरान अनाउंस की जाएंगी।यह कार 12 वेरियंट्स में अवेलेबल होगी। पहली बार मारुति इस हैचबैक को ऑटोमैटिक ट्रांसमिशन के साथ उतार रही है। इससे पहले मारुति के एक अधिकारी ने दावा किया था कि कंपनी नए स्विफ्ट मॉडल की प्रतिमाह 15 हजार से भी ज्यादा यूनिट्स बेचेगी। अगर यह आंकड़ा सही साबित होता है तो बिक्री के मामले में यह स्विफ्ट के मौजूदा मॉडल को पछाड़ देगी। नई जेनरेशन स्विफ्ट की तरफ लोगों को आकर्षित करने के लिए इसमें कई अहम बदलाव किए गए हैं। इसे मारुति ने हल्के हार्टेक्ट प्लैटफॉर्म पर बनाया है। इसमें एलईडी प्रॉजेक्टर हेडलैम्प्स, एलईडी डीआरएल्स आदि फीचर्स हैं जो कि इसे प्रीमियम फील देते हैं। इसके साथ ही स्विफ्ट के नए मॉडल का वीलबेस भी 20 एमएम लंबा है जो कि इसे मौजूदा मॉडल के मुकाबले अधिक स्पेसी बनाता है। मारुति स्विफ्ट के इंजन में बदलाव नहीं है लेकिन वजन घटने से परफॉर्मेंस और माइलेज बेहतर हुआ है। कार के भीतरी हिस्से को देखेंगे तो पाएंगे कि यह ब्लैक थीम पर बना है। ऑटोमैटिक क्लाइमेट कंट्रोल के लिए नए कंट्रोल्स दिए गए हैं। इसमें स्मार्ट प्ले इन्फोटेनमेंट सिस्टम भी है।

अमीर किसानों को टैक्स के दायरे में लाकर 25000 करोड़ रुपये कमा सकती है

नई दिल्ली (आरएनएस)। सरकार अधिक से अधिक लोगों को टैक्स के दायरे में लाने की कोशिशों में जुटी हुई है। टैक्स चोरी पर भी लगाम लगाने के लिए गंभीर प्रयास हो रहे हैं। ऐसे में ऐग्रिकल्चर एक ऐसा सेक्टर हैं जहां अगर सरकार अमीर किसानों को टैक्स के दायरे में लाए तो काफी रेवेन्यू आ सकता है। छोटे और मझोले किसानों पर बिना भार डाले ऐसा करना संभव भी है। देश के सारे किसान गरीब नहीं हैं। लैंड होल्डिंग और इनकम की बात करें, तो फार्मिंग सेक्टर में काफी विविधता दिखाई देती है। नैशनल सैंपल सर्वे के मुताबिक कृषि पर आधारित 70 फीसदी हाउसहोल्ड्स के पास 1 हेक्टेयर से भी कम जमीन है। केवली 0.4 फीसदी के पास 10 हेक्टेयर या अधिक की लैंड होल्डिंग है। 3.7 फीसदी के पास लैंड होल्डिंग 4-10 हेक्टेयर के बीच है। वर्ल्ड बैंक की ग्लोबल टैक्स टीम के प्रमुख राजुल अवस्थी इन टॉप 4.1 फीसदी ऐग्रिकल्चरल हाउसहोल्ड्स की इनकम पर टैक्स लगाने का तर्क दे रहे हैं। उनके मुताबिक अगर इनपर औसतन 30 फीसदी का टैक्स लगाया जाए तो 25000 करोड़ रुपये का कलेक्शन होगा। पिछले साल चीफ इकनॉमिक अडवाइजर अरविंद सुब्रमण्यन ने भी अमीर किसानों पर टैक्स लगाने की बात कही थी। उन्होंने कहा था कि गरीब और अमीर किसानों के बीच अंतर करने में कठिनाई क्या है। जब भी आप किसानों की बात करते हैं लोगों को लगता है कि आप गरीब किसान की बात कर रहे हैं। उन्होंने सवाल किया था कि क्या राजनीति की वजह से यह फर्क नहीं किया जा पा रहा। सुब्रमण्यन ने कहा था कि हम ऐसा क्यों नहीं कह सकते कि हर अमीर, चाहे वह कहीं से पैसा कमाता हो, टैक्स के दायरे में आना चाहिए। मोदी सरकार की थिंकटैंक नीति आयोग ने भी में कृषि आय पर टैक्स का प्रस्ताव दिया था। नीति आयोग के सदस्य बिबेक देबरॉय ने कहा था कि कृष आय को भी इनकम टैक्स के दायरे में लाने की जरूरत है। हालांकि वित्त मंत्री जेटली ऐसी किसी योजना की बात को खारिज कर चुके हैं। वित्त मंत्री ने साफ कर दिया था कि कृषि की आय पर टैक्स लगाने का कोई इरादा नहीं है। जेटली ने कहा था कि संविधान प्रदत्त शक्तियों के मुताबिक केंद्र सरकार के पास कृषि की आय पर टैक्स लगाने का अधिकार नहीं है। हालांकि सुब्रमण्यन का कहना है कि ऐसी स्थिति में भी राज्य चाहें तो कृषि आय पर टैक्स लगा सकते हैं।

विदेशी निवेशकों के लिए भारत दुनिया की 5वीं सबसे आकर्षक इकॉनमी

दावोस (आरएनएस)। जापान को पीछे छोड़कर भारत दुनिया का 5वां सबसे पसंदीद निवेश स्थान बन गया है। इस बात का खुलासा ग्लोबल सीईओ के एक सर्वे में हुआ है। इससे पहले इंटरनैशनल मॉनिट्री फंड ने भी भारत की तेज ग्रोथ का अनुमान जताया है। आईएमएफ की रिपोर्ट के मुताबिक, 2018 में 7.4 फीसदी की ग्रोथ रेट से भारत सबसे तेजी से बढ़ती हुई अर्थव्यवस्था होगी। प्राइसवॉटरहाउसकूपर्स के सर्वे में यह बात सामने आई है कि निवेशकों के लिए भारत दुनिया की पांचवीं सबसे आकर्षक जगह है। सर्वे में टॉप पर यूएस है जिसके बाद चीन का नंबर है। इस लिस्ट में भारत सिर्फ जर्मनी और यूके से पीछे है। पीडब्ल्यूसी इंडिया के चेयरमैन श्यामल मुखर्जी ने बताया, निश्चित संरचनात्मक सुधारों की मदद से भारत की कहानी पिछले एक साल के मुकाबले बेहतर नजर आती है। हमारे ज्यादातर क्लायंट्स अपनी ग्रोथ को लेकर आशावादी हैं। हालांकि नए खतरे जैसे साइबर सिक्यॉरिटी और क्लाइमेट चेंज को लेकर हमारे क्लायंट्स के मन में कुछ शंका है लेकिन सरकार ने बुनियादी ढांचा, मैन्युफैक्चरिंग और कौशल निर्माण के क्षेत्रों से जुड़ी चिंताओं को समाधान किया है। पिछले कुछ सालों से कई सेक्टरों में एफडीआई को मंजूरी मिलने के बाद देश में विदेशी निवेश बढ़ा है।